

# इन कामों के लिए याद आता है संघ

# दादर-नगर हवेली की मुक्ति

आजादी के बाद भी दादर नगर हवेली फ्रासीसियों के कब्जे में था,जो संघ को अखरता था। 2 अगस्त 1954 को 500 से ज्यादा हथियारबंद स्वयंसेवको ने यहां धावा बोल दिया। फ्रांसीसी शासक घबरा गए वे बिना संघर्ष के ही यहां से हट गए और स्वयंसेवकों ने तिरंगा फहरा दिया।

## कश्मीर आक्रमण

3 सितबर 1947 को कश्मीर में पाकिस्तान ने घुसपैठ शुरू की। अनेक स्थानों पर संघ के स्वयंसेवकों ने डटकर मुकाबला किया। जम्मू का हवाई अडडा इतना बड़ा नहीं था कि उस पर सेना के हवाई जहाज आसानी से उतर सकें। संघ के स्वयंसेवकों ने रात दिन मेहनत करके हवाई अड्डे का विस्तार किया और उसे भारतीय सेना के बड़े जहाज उतरने लायक बनाया।

# गोवा मुक्ति आंदोलन

1955 नवम्बर में संघ के एक शिक्षक स्वयंसेवक को पुर्तगाली पुलिस ने गोवा के सचिवालय पर तिरंगा फहराने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। संघ के जबरदस्त आंदोलन और दबाव के चलते केन्द्र सरकार ने भी विवश होकर पुलिस कार्यवाही की जिसके फलस्वरूप 1961 में गोवा मुक्त हो सका।

## चीन आक्रमण

1962 में चीन के आक्रमण के समय भारतीय सैनिकों के लिए संघ के स्वयंसेवकों ने सभी प्रकार की सामग्री मुहैया कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। घायल सैनिकों के लिए खून की व्यवस्था की। साथ ही पूरे देश में जनसामान्य का मनोबल बढ़ाने में संघ सिक्रय रहा। 26 जनवरी की परेड़ में स्वयंसेवकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।



# डॉ. अमित राय जैन नियुक्त किए गए सरस्वती नदी परियोजना के सलाहकार

भास्कर न्यूज

बडौत। प्रतिष्ठित इतिहासकार डॉ. अमित राय जैन को भारत सरकार की सरस्वती नदी परियोजन की सलाहकार परिषद में सदस्य नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डीम प्रोजेक्ट सरस्वती नदी के बह्विध अध्ययन हेतु सलाहकार समिति के अध्यक्ष केंद्रीय संस्कृति मंत्री प्रहलाद पटेल होंगे, जिसमें नामित सदस्य के रूप में डॉ अमित राय केंद्र सरकार को सरस्वती नदी के पनरुद्धार, सरस्वती सभ्यता के परास्थलों का सर्वेक्षण, शोध, उत्खनन आदि विषयों पर अपनी महत्वपूर्ण सलाह देंगे। जिनका कार्यकाल मार्च 2023 तक रहेगा। शहजाद राय शोध संस्थान बडौत के निदेशक डॉ अमित राय जैन को इस बाबत अधिकारिक सूचना भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत का राजपत्र (असाधारण



श्रेणी) के अंतर्गत संख्या 1052 को जारी कर ई-मेल द्वारा दी गई। डॉ. अमित राय जैन के भारत सरकार का सलाहकार नियुक्त किए जाने की सूचना मिलने पर उनके सभी इतिहासकार मित्रों एवं जैन समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। गौरतलब है कि डॉ अमित राय जैन इससे पूर्व दर्जनों समितियों देश एवं प्रदेश स्तरीय सरकारी समितियों में सदस्य या सचिव के रूप में अपनी सेवाएं कई दशकों से देते आ रहे हैं। उसी श्रंखला में भारत सरकार की

बहुउद्देशीय परियोजना की कार्यसमिति में सलाहकार सदस्य के रूप में उनकी नियुक्ति उत्तर प्रदेश राज्य के लिए गौरव एवं गर्व की बात है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री प्रहलाद पटेल की अध्यक्षता में गठित इस समिति में संस्कृति सचिव, पर्यटन मंत्रालय सचिव, महानिदेशक-भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संयुक्त सचिव- संस्कृति, जल संस्कृति मंत्रालय सचिव, अंतरिक्ष विभाग इसरो के निदेशक, ओएनजीसी के निदेशक, पर्यावरण और वन मंत्रालय सचिव, आवास एवं संस्कृति मंत्रालय सचिव, हरियाणा राजस्थान एवं गुजरात सरकार के प्रतिनिधि सरकारी प्रतिनिधि के रूप में सदस्य बनाए गए हैं। डॉ. बीआर मणि, डॉ वसंत शिंदे, डॉ. बालमुक्द पांडे, डॉ. के के मोहम्मद, डॉक्टर केएन दीक्षित, डॉ. संजय मंजूल आदि को भी सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।



# पांच युवाओं ने जीवित कर दिए तीन तालाब



राजू मलिक 🛎 बुलंदशहर

कृषि प्रधान जिले में तेजी से जल स्तर गिरता जा रहा है, इसकी चिंता आने वाली पीढ़ी को भी है। शिक्षित युवा पीढ़ी जानती है कि जल नहीं तो कल नहीं। इसी चिंता से मुक्त होने को वुक्कों के एक दल ने अपने गांव के तीन तालाबों की सफाई कर डाली। सुखे तालाबों में जमी गंदगी को फावडें से साफ कर दिया। तालाब में जमी झाडियों को उखाड़कर इनमें बारिश और रजवाहे का पानी भर दिया। इन युवाओं की जल संरक्षण को लेकर जंग जारी हैं।

खुर्जा क्षेत्र के गांव नंगला मोहिद्दीनपुर निवासी अनुज राजपूत काफी समय से जनसेवा कार्य से जुड़े हैं। नेहरू बुवा संगठन से अनुज राजपूत के साथ वुवाओं का एक दल जुड़ा है जो सरकारी



नंगला मोहिउदीनपुर गांव में सुखे तालाग्रों की सफाई कस्ता युवाओं का दल 🍨 जागरण

# बुबाओं के दल ने एसडीएम से ली अनुमवि

तीनों तालावों की सूरत बदलने के लिए युवाओं का वह दल एसडीएम खुर्जा से मिला और अनुमति ली। इसके बाद इन्होंने कार्ये शुरू किया तो ग्रामीणों ने भी इस दल के कार्य की सराहना करते हुए हान्र बटावा। इस दल में सुनील सिंह, मोहित चौहान, प्रिस, सोन् और रोहित आदि शामिल हैं।

योजनाओं के लाभ वंचित वर्ग और तालाय से जोड़ी गांप की नालियां पात्रों को दिलाने के लिए काम करता है। युवाओं के इस दल ने जल संरक्षण के लिए काम करने का संकल्प लिया और गांव के सुखे तालाबों में पानी भरने की रान ली।

सबसे पहले युवाओं ने अमदान कर तालाबों में जमी गंदगी को साफ किया। इसके बाद गांव की नालियों को साफ कर उसे तालाबों से जोड़ा। इसके साथ ही टुल्लू पंप के माध्यम से रजवाहे से



अनुज राजपुत 💌

 जल संरक्षण के लिए आज का युवा
 काफी सचेत हैं ।धीरे-घीरे बदलाव आने लगा है। अब गांध के युवा भी तालाबों को महत्व समझने लगे हैं। बरातल से ग्रप्टाय ह्ये रहे तालावों के संस्क्षण और उन्हें जीवित करने की मुहिम आगे भी जारी रहेगी।

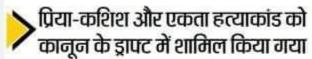
अनुज राजपुत

तालाब में पानी भरा गया। करीब 14 दिनों की इस मुहिम से गांव का तालाब फिर से जल से लबालब है। इसके बाद युवाओं ने तीन तालाबों को फिर से जीवित कर जल संरक्षित किया जाएगा।



# अवैध धर्मांतरण





) प्रिया-कशिश और एकता हत्याकांड को ) मेघालय की युवती से रेप की दर्दनाक ) 'हिन्दुस्तान' ने प्रमुखता से उठाए थे तीनों कानून के ड्राफ्ट में शामिल किया गया ) दास्तां भी बनी अध्यादेश का हिस्सा ) मामले, सभी जघन्य श्रेणी में रखे गए

# अध्यादेश: मेरट के तीन जघन्य मामले बने नजीर

## हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

मेरव | सचिन गुप्ता

उत्तर प्रदेश में गैरकानूनी धर्मातरण के खिलाफ तैवार अध्यादेश में मेरठ के तीन मामले नजीर साबित हुए। प्रस्तावित कानून के डाफ्ट में प्रिया-कशिश और एकता हत्वाकांड के अलावा मेघालय की युवती से रेप की दास्तां लिखी गई है। कानपुर के भी 13 केस हाफ्ट में शामिल हैं। मेरट के मामलों को अत्यंत जघन्य क्षेणी में रखा गया है।

मेरट के एसएसपी अजय साहनी ने आपके प्रिय समाचार पत्र 'हिन्दस्तान' को बताया कि करीब दो महीने पहले प्रदेश के एडीजी (कानन व्यवस्था) प्रशांत कमार ने तीनों मामलों से जुड़ा ब्योरा मांगा था। तीनों प्रकरणों का पुरा घटनाक्रम बनाकर भेजा गया। एसएसपी के मताबिक, तब गैरकाननी धर्मातरण कानन पाइपलाइन में था। कानन क्यों बनाया जाए, उसके लिए ऐसे मामले नजीर के रूप में पेश किए जाने थे। मेरठ के तीन मामले इसमें शामिल हए।



### प्रिया-कशिश हत्याकांड



गाजियाबाद में लोनी निवासी प्रिया की वर्ष 2013 में अमित गुजेर नामक युवक से फेसबुक पर दोस्ती हुई। प्रिया अपनी मासम बेटी कशिश को लेकर मेरठ आ गई। 20 18 में प्रिया को पता चला कि लिव इन में रह रहा उसका प्रेमी अमित नहीं. शमशाद है। 28 मार्च 2020 को मा-बेटी अचानक लापता हो गई। आपके प्रिय अखबार 'हिन्दस्तान' ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उद्याया तो पुलिस हरकत में आईँ। 22 जुलाई 2020 की परतापर वाना पुलिस ने शमशाद को उटा लिया। पुछताछ की तो उसने दोनों की हत्या का

जुर्म कुबूल लिया। मूड बराल गांव रियत शमशाद के घर के बेडल्स में कर्श उखाड़ी गई तो दोनों की लाश दवी हुई मिली। शमशाद समेत चार आरोपी फिलहाल जेल में हैं। चार्जशीट दाखिल हो बुकी है।



### एकता हत्याकांड



दौराला थाना क्षेत्र के लोईया गांव के खेत में 14 जन 2019 को लिधयाना की बीकॉम छात्रा एकता देशवाल की लाश कई ट्रकड़ों में दबी मिली। ठीक एक साल बाद यानि दो जुन 2020 को मेरठ पलिस ने एकता के प्रेमी शाकेब और उसके पांच परिजनों को गिरफ्तार कर तिया। खुलासा हुआ कि लुधियाना में शाकेब ने अमन बनकर बीळॉम की छात्रा एकता को प्रेमजाल में फंसाया। छात्रा उसके झासे में आकर 25 लाख रुपये की ज्यैलरी लेकर मेरट आ गई। यहां ईद वाले दिन एकता को उसके शाकेब होने का पता चला। लडाई बढी तो

शाकेब और परिजनों ने मिलकर एकता की हत्या की, फिर लाश खेत में गांड दी। इस मामले में भी चार्जशीट दाखिल हो चुकी है।

### दोस्ती, बंधक और रेप



अन्य दो घटनाओं की तरह ही, नाम और धर्म छिपाकर मेधालय की लड़की के साथ भी छल किया गया। 26 अगस्त 2020 को मेरठ पुलिस को खबर मिली कि मेचलय की एक लड़की को खैरनगर में बंधक बनाकर रखा गया है। सुवना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घर पर छापा मारकर लंडकी को बरामद कर लिया। साथ ही, अभियुक्त अदनान को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, लड़की दिल्ली में मौसी के घर रह रही थी। अदनान भी वहां नौकरी करता था। नाम और धर्म ष्ठिपाकर उसने लडकी से दोस्ती की।

मेरठ लाकर बंधक बनाकर रखा। नगे की गोलिया देकर दुष्कर्म करता रहा। इस मामले में शिलांग व मेरठ में मुकदमा दर्ज हुआ था।

मामला २६ अगस्त २० कार्रवार्ड आरोपी गिरपतार

### मामला 28 मार्च २०२० कार्रवाई ०४ मिरफ्तार

### मामला 14 जून २०२० कार्रवाई चार्जशीट दाखिल



कानपुर के 🛝 भी १३ केस शामिल

गैरकानुनी धर्मांतरण पर पर बने कानुन के डापट में कानपुर के भी 13 केस रखे गए हैं। डीआईजी मोहित अग्रवात ने एसआईटी बनाकर ऐसे प्रकरणों की जांच कराई थी। छह मामलों में वार्जशीट लग चुकी है। दो मामलों में फाइनल रिपोर्ट लगाई गई है। जबकि अन्य मामलों में विवेचना जारी है।

# हिन्दुस्तान ने

प्रमुखता से उटाए मामले इन तीनों मामलों को आपके प्रिय अखबार 'हिन्दुस्तान' ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद पुरे प्रदेश में हत्तवत मची थीं। 28 मार्च 2020 को प्रिया और बेटी कशिश की शमशाद उर्फ अमित गुजर ने हत्या कर लाश बेडरूम में दफना दी थी। 13 जून 2019 को लुधियाना की बीकॉम स्ट्डेंट एकता देशवाल को शाकेब उर्फ अमन ने मारकर खेत में दबा दिया था। 26 अगस्त 2020 की देहली गेट क्षेत्र में मेघालय की लड़की को बंधक बना रेप करने का मामला आया था



Raman Kant Tyagi, invited as Key Note Speaker at Uttarakhand Youth Summit

On World Water Day, Indian Express's online portal EdexLive published a story on NEER Foundation's efforts for revival of rivers of his region. 16 March 2020



Shreesha Ghosh finds out how Raman Tyagi's Neer Foundation is river-ing on

### **BELIEVE US,** IT'S A RIVER **OUT THERE**

Chit. Neer Foundation is a non-profit organisation, engaged in the field of resources (rivers and pends) revival. niques and policy making, based in Meerut, Uttar Prodesh. "I was quite young when I had decided that I would dedicate my life towards acciety and the environment. With a rural background, I had the opportunity to experience the effects of river water and sonds on the lives of rural communities. So, I decided to work towards conservation of our natural water resources like ponds, johads and rivery and also, promotion of organic ways of farming. My work for the past two decades has taught me immmerable aspects of revival of giver alreads," sees Remon.

Raman begon working for the environment in 200. The dearth of resources in his hometown and across the state made him set up Neer Foundation in 2004 with the help of some of his friends.

### Between two rivers

88%

900 milion in China and 140

then physical scarcity of water

for all beautiments by all paints

of the year 150 million in the

USA and 120 million in

by region, but it has a global

1,627 Blomper Kingrati of

70%

50

The foundation is engaged in reviving the area between the two of our main rivers - Gengs and Yamuna - in UP. "We wish to review the unique identity that is linked to the rivers - the seriona almosthore, confortable clinicite account rich will -- that is gradually degrading," the green warrior explains. They are also working on smaller non-glacial rivers - Hindon river, Kaaliriser and restring them one by one. Their origin is also being revived and their technical study was also done by Raman and his team. Following this, these two rivers were included in the union gowenment's Namant Gange Programme

Raman and Co are now working to create swareness among people about the numerous pends that have been there since the Rameyone and the Mahabharate era. "We are writing about their history and present state which will then be published in the form of a book. Pundalike the Gondhart sarovar, Shakuntala talah and more have historical relevance that our future powerstions should be made sware of," he concludes.



Serve segments -Automores, research and in-ground production dates. Dwir sorial initiative Meri Nadi - Meri Peler started with an aim to protect rivers. and conveniention renading on



With our volunteers, we have sent clean drinking water to villages with water pollution Raman Tyogi

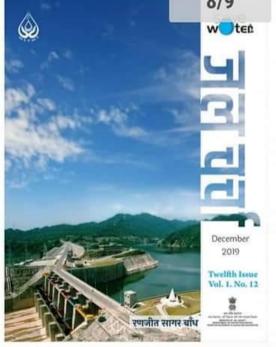


STORY



# MEDIA **ARTICLES**





Dainik Jagran's JAL CHARCHA, a newsletter of Ministry of JAL SHAKTI, Government of India 18 March 2020

### हिंडन के बाद काली नदी भी होगी निर्मल-अविरल

affern web all patte self. It is over you for he for

> there with transporter, liver, कर से प्रोचन महार्थ है। or all their sever finish it are नाव नहें के उद्दूषन के कहा से or Promotion welve from



no lens awar san à fire. with the first and said are in ther is for day of other, but

week a wount third self-recess mention after all the safe of the laster wer is used at some at dinew well in few we say up it ser artistrant facer are sew off. self safe of selfer of shipper

प्रधार्त के लगा समाज को भी

it any amount of the court, of a vitra our uniter all, endy the after and, effect volumbs

To sell of all if also under alterfield. It should five such all alters full year over sends is suft all

of forter after advoce shifts





नदी नीति के लागू होने की प्रतीक्षा में 'नदीपुत्र







# नीम नदी का लोगो हुआ लांच



# हापुड़ विरिष्ठ संवाददाता

मेरठ के मण्डलायुक्त सुरेन्द्र सिंह द्वारा हापुड़ जनपद से निकलने वाली नीम नदी के लोगों का अनावरण किया।यह लोगों नीर फाउंडेशन द्वारा बनाया गया है। दिसंबर 2020 को प्रशासनिक स्तर की मीटिंग के बाद जिले से कई दशक पहले विलुप्त नदी को पुनर्जीवित करने का प्लान सिरे से चढ़ना शुरू हो गया है।

नीर फाउंडेशन ने फेसबुक और पेज तथा इसकी वेबसाइट तैयार करने के बाद अब लोगो बना दिया है। जिसका बुधवार को मेरठ कमिश्नर द्वारा विधिवकत अनावरमण कर दिया गया है। इसमें नदी, नीम के पेड़, वर्ष की बूंदें, धरती व सूर्य अर्थात जीवन के पंच



मेरठ में हापुड़ से निकल रही नीम नदी का लोगो का अनावरण करते मंडलायुक्त।

तत्वों हवा, पानी, धरती, आग व आकाश को दर्शाया गया है। लोगो किसी भी कार्य करने की एक पहचान होती है। नीम नदी से जुड़े हुए सभी क्रियाकलापों में अब इस लोगो का ही इस्तेमाल होगा। मण्डलायुक्त ने लोगो की तारीफ करते हुए कहा कि चुनाव की बाद शीघ्र ही कार्य प्रारंभ करेंगे।

बोले भारत , विसमा में उठेगा मुद्दा : बहादुरगढ़ निवासी एवं लोकभारती के प्रांतीय संयोजक भारत भूषण गर्ग ने बताया कि नीम नदी दत्तियाना से शुरू होकर अलीगढ़ के छोर क्षेत्र में जाकर एक नदी में शामिल हो जाती है। अलीगढ़ के विधायक से वार्ता की गई है।

उन्होंने बताया कि नीम नदी के पुनर्जीवित का सवाल विधानसभा में उठाया जाएगा। हर संभव नीम नदी को पुनर्जीवित कराया जाएगा।



# किसान ने हरियाली के लिए दी 15 बीघा जमीन

मंडलायुक्त ने सभी को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया

अमर उजाला ब्यूरो

विनौली।

बरनावा गांव स्थित हिंडन और कृष्णा नदी के किनारे खेत में मंडलायुक्त डॉ. प्रभात कुमार ने फलदार पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि नदियों को निर्मल बनाने के लिए अधिक पौधरोपण करें। दूषित जल स्वच्छ हो जाएगा।

बृहस्पतिवार को बरनावा निवासी जयनारायण त्यागी ने हिंडन और कृष्णा नदी के किनारे अपनी 15 बीघा जमीन में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें मुख्य अतिथि मंडलायुक्त डॉ. प्रभात कुमार रहे। उन्होंने अफसर और ग्रामीणों के साथ फल और छायादार पौधे लगाए। कार्यक्रम में उपस्थित हुए लोगों को बताया दोनों नदियों को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाने के लिए मुहिम चला रखी है। प्रशासन को 40 हजार पौधरोपण



बरनावा में पौधरोपण करते मंडलायुक्त मेरठ प्रभात कुमार। अमर उजाला

करने का लक्ष्य दिया । उन्होंने कहा पेड़ पर्यावरण को शुद्ध करने में अहम भूमिका निभाते है। नदियों के किनारे पौधे लगाने से पानी स्वच्छ और शुद्ध होता है। हर किसी को एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। दोनों नदियों के जल को स्वच्छ कराने की तैयारियां चल रही है। इस मौके पर डीएम भवानी सिंह खंगारौत ने भी विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अफसरों ने आम,

अमरूद, जामुन, नींबू सहित छायादार पौधे को लगाया। इसमें एसडीएम बड़ौत अरविंद द्विवेदी, थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय, संत भैयादास जी महाराज, प्रधान जरीफ कुरैशी, पूर्व प्रधान विष्णुदत्त त्यागी, ओमप्रकाश त्यागी, सुरेश त्यागी, परमानंद जाटव, ओमदत्त त्यागी, श्याम सिंह प्रमुख, रविंद्र हाटी, महबूब अलवी, गुड़डन त्यागी, आलोक आदि रहे।

# जलांदोलन की अब है जरूरत

श्वित्र के कुल भूभाग का मात्र 2.4 प्रतिशत क्षेत्रफल ही भारत के पास है, और दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी निवास करती है। ऐसी स्थित में प्राकृतिक संसाधनों पर अधिक दबाव स्वाभाविक है। भारत के पास विश्व के कुल जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत ही है, उस पर खराब बात यह है कि जितना भूजल पूरा विश्व प्रतिवर्ष खींचता है उसमें 25 प्रतिशत भागीदारी अकेले भारत की है।

वर्तमान समय में 1952 के मुकाबले भारत में पानी की उपलब्धता एक तिहाई रह गई है, जबकि आबादी 36 करोड़ से बढ़कर 135 करोड़ के करीब पहुंच गई है। हालात ये हो गए हैं कि हम लगातार भूमिगत जल पर निर्भर होते जा रहे हैं। जिसके कारण भूमिगत जल प्रत्येक वर्ष औसतन एक फीट की दर से नीचे खिसक रहा है। इससे उत्तर भारत के ही करीब 15 करोड़ लोग भयंकर जल संकट से जुझ रहे हैं। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के अध्ययन के अनुसार उद्योग व ऊर्जा क्षेत्र में कुल भूजल की मांग आज के करीब 7 प्रतिशत के मुकाबले वर्ष 2025 तक 8.5 प्रतिशत हो जाएगी जोंकि वर्ष 2050 तक बढकर करीब 10.1 प्रतिशत हो जाएगी। कृषि में भूजल की मांग वर्ष 2010 के 77.3 प्रतिशत के मुकाबले 2050 तक घटकर 70.9 प्रतिशत ही रह जाएगी अर्थात भविष्य में जहां उद्योग व ऊर्जा में पानी की मांग बढेगी व वहीं सिंचाई में घटेगी।

अब जरूरत है कि भूजल को लेने व उसे वापस लौटाने के अनुपात को हम बनाए रखें। बारिश के संरक्षण का कार्य गांवों के अंदर जहां तालाब व जोहड़ को पुनर्जीवित करके किया जा सकता है वहीं शहरों में रूफटाप वर्षाजल संरक्षण के माध्यम से ऐसा संभव है। भारत में करीब 6,64,369 गांव तथा लगभग 4000 छोटे-बड़े कस्बे-शहर मौजूद हैं। राजस्व रिकार्ड के अनुसार भारत में करीब 36 लाख जलाशय दर्ज हैं, जिनमें 30 प्रतिशत अपना अस्तित्व खो चुके हैं। शेष 95 प्रतिशत अतिक्रमण की मार झेल रहे हैं और मात्र 5 प्रतिशत ही अपने स्वरूप में बचे



जदीपुत्र रमन कांत संस्थापक-नेचुरल एनवायरमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, मेरठ

देश के 36 लाख जलाशयों में से सिर्फ पांच प्रतिशत ही अपने मूल स्वरूप में बचे हैं। अगर सभी जलाशयों को कब्जामुक्त करके पुनर्जीवित कर दिया जाए तो देश के करीब 50 प्रतिशत मूजल संकट का समाधान संभव हो सकेगा।

हुए हैं। वर्तमान में मौजूद कुल जलाशयों में से करीब 50 प्रतिशत सुखे हुए हैं और 30 प्रतिशत गंदगी से बजबजा रहे हैं। कुल मौजूद जलाशयों में से 80 प्रतिशत जलाशय अपनी जल संभरण क्षमता खो चुके हैं। देश के भूजल संकट को दूर करने के लिए सरकार व समाज दोनों को युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। इसमें जहां चुने हुए गांव प्रमुखों की महती भूमिका होगी, वहीं धार्मिक गुरूओं का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। देश के तमाम धर्मगुरु समाज को तालाब पुनर्जीवन का संदेश दें तो संभव है कि समाज के द्वारा एक सकारात्मक जलांदोलन खडा हो जाए। भारत में भू-जल उपयोग के लिए कठोर कानूनों की आवश्यकता है क्योंकि यहां साफ-पीने वाला पानी ही प्रत्येक उपयोग में लाया जाता है। हमें सिंचाई. उद्योग व कुछ घरेलु कार्यों में कस्बों व शहरों से निकलने वाले सीवेज को शोधित करके इस्तेमाल करना होगा। भ्-जल बचाने व संरक्षित करने में उपभोक्तावाद में कमी करनी होगी।

खपत नियंत्रित करने की जरूरत



भूजल की खपत सिंचाई में होती है भारत में

9.0%

खपत घरेलू कार्यों में होती है

भूजल व्यावसायिक कार्यों में प्रयोग होता है

2.0%

संसद में पेश की गई कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में भूजल खपत का औसत 63 प्रतिशत है। इसका अर्थ है कि सालभर में जितना पानी जमीन के अंदर गया, उसका 63 प्रतिशत बाहर निकाल लिया गया। रिपोर्ट 2004 से 2017 के आंकड़ों पर आधारित थी।

13 राज्यों में भूजल की खपत राष्ट्रीय औसत से ज्यादा पार्ड गर्ड

**267** जिलों में राष्ट्रीय औसत से ज्यादा भुजल निकाला गया

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में भूजल खपत 100 प्रतिशत से भी ज्यादा है। यानी इन राज्यों में भूजल स्तर लगातार गिर रहा है।

# अविरल बहेगी काली नदी, किनारे होंगे हरे

बसंत गौतम ब्यतौली

अंतवाड़ा गांव में उद्गम स्थल से ही काली (नागिन) नदी को जीवनदान मिलेगा। उसको पुनर्जीवित का भगीरथ प्रयास इस वर्ष आकार लेगा। इससे नदी अपने असल आकार में अविरल बहेगी, जबिक इसकी पटरियों पर हरियाली से सुंदरता को बढ़ावा मिलेगा। इससे भूजल संरक्षण के साथ ही किसानों की फसल पर भी सकारत्मक प्रभाव होगा।

अंतवाड़ा में काली नवी का उद्गम सिदयों पुराना है। समय की परत में इसका इतिहास दबने के साथ अविरलता भी नष्ट हो गई। वर्तमान में नदी में जल जरूर है, लेकिन इसका जल प्रयोग करने लायक नहीं बचा है। इसके चलते काली नवी संरक्षण और इसके जल प्रवाह को बढ़ाने की कवायद भी आकार ले रही है। खतौली से कन्नौज तक जाने वाली इस नवी की निर्मलता पर धीरे-धीरे ध्यान देना बंद कर दिया था। नीर फाउंडेशन ने नदी को उसका पुराना गौरव लौटाने



खतीली के गांव अंतवाडा स्थित काली नदी का उद्गम स्थल।जागरण

# छह सौ किमी लंबा है काली नदी का प्रवाह क्षेत्र

काली नदी पूर्वी का अंतवाझ गांव उद्गम स्थल से छह सौ किलोमीटर लंबा प्रवाह क्षेत्र है। यह नदी मेरठ, हापुड, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, एटा, फर्रुखाबाद होते हुए कन्नौज जाकर गंगा नदी में मिलती है। यह बरसाती नदी है, जो गंगा की प्रमुख सहायक नदी है। काली नदी के पुनर्जीवित होने से लोगों को उसके पानी का लाभ मिलेगा और आने वाले समय यह नदी देश की तमाम छोटी नदियों के पुनरोद्धार के लिए प्रेरणा बनेगी।

का प्रयास किया, लेकिन बजट के अभाव में काम में अड़ंगा लग गया। इस वर्ष नदी को फिर से पुजर्जीवित करने का बीड़ा उठाया जा रहा है। मनरेगा से नदी के दोनों और पटरी

की सफाई और हरियाली के लिए पौधरोपण किया जाएगा। नदी को पुनर्जीवित करने पर अर्थ हे नेटवर्क ने अंतवाड़ा गांव को स्टार विलेज का अवार्ड दिया था। काली नदी पूर्वी को पुनर्जीवित में
 अभी तक श्रमदान से काम हुआ।
 शासन को बजट का प्रस्ताव



भेजा है। नदी को जिंदा रखने के लिए वेक डेम, वेट लैंड, बिजली के खंभे हटवाने, लघु सिंवाई

विभाग को डिजाइन बनाने का प्रस्ताव भेजा है। काली नदी की निर्मलता लौटने की अनुटी पहल होगी।

-रमन त्यागी, निदेशक नीर फाउंडेशन

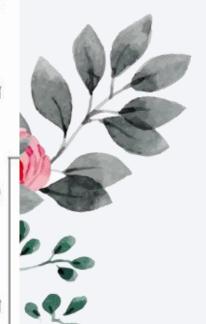
काली नदी के साथ ही जल संरक्षण के लिए गांवों में तालाबों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। घटते



जलस्तर को उटाने के लिए अमृत सरोवर योजना के वहत तालावों का संदरीकरण

कराया गया है। उनमें बरसात का पानी रुक सकेगा। पानी बवाकर भविष्य को सुरक्षित किया जा सकेगा।

- शमा सिंह, वीडीओ, खतीली



 हापुड में मशात रेती को लेक कास भवन में सुबह 11 दत्रो

समिति द्वारा रेलवे स्टेशन पर जल सेवा दोक्यर एक को से हापुड में निकाय युनाव की मसीका को लेकर भारतया क वैद्रक कार्यालय पर पोल्हर तीन

स्वानीय व्यूतं होटल निद्धार्थ पैतेस, प्रथम तत आर्थ नगर के समाने, गढ़ है है, हसूह

ज्यादा प्रिय है। गांव दतियाना के आव एक जागालक शिवसी के स रत महात लोगें ते विकारित महात में वैनिक जनसम् अस्तवर व अपने को और आने जल पंदियों के लिए अक्राताची आंक्षा सामाना सम्बद्धाः धीम कर त्याग किया. उत्तका या है।अपने शहर की जिन समस्यक्ष गर्धे व वाले को जिसमेदार लोगों हा नाएगा, यह सबको प्रेरण देग। प्रध्यान पहले हैं, इमें बतार ११६ वर्ष 2000 से भारतीय नदो परिषद रमाचार पत्र के माल्यम से आपव और गोर फाउंडेशन को टीम नीम आवास्त्रको जम लोगो तक लेखाउँ नर्ध के उदयम स्थान को तलागरे को प्रक्रिया को आरंध किया छ। दे shubham goel@nda दशक के बाद सफलता मिली है moran,com

को लेकर पूरे राज्य में जन-जागरण

अधियान चाला को है। योगी सरकार

जीएकों के प्रकारिक के लिए पूर्व एका

से प्रतिबद्ध है। अब दनियान श्रीव

त्मारी संस्कृति और परंपस है।

का भी आसाम प्राती

है। प्रधानमधी नरेन्द्र बोर्च, जो गावों में अमृत

रहे हैं ।उनकी जिले में निधांत काफी

सरोवर को हैं. 50 में काम वान रहा

है। जिला प्रशासन का प्रधास है कि

हर गांव में वो-वो अमत सरोवर जल

ही एस करेंगे। नीम नवी को बोबास से

एक किया जा खाड़े। इसारा प्रयास है

. इ. भूजल स्तम को निवार्ज किया जा

सके (वर्ष 2050 तक प्रभी की कमी हो

जाएगी । ऐसे में पानी को बयाना, हम

सवकी जिम्मेदारी है। जनसंख्या देशी से

बद्ध रही है और पानी का लेवल कम होत

ता बधाई। इस सबको आज से ही धानी

क्य अभ करत सरकार मिलकर निर्मा को सम्बद्ध

संहैं। इसी के

राज नीय नदी को दर्नतीयन मिला है।

कर किसी व हे गएने जैना है। जगरे

वर्जनों गांची को लाभ मिलेया। जल

रुपयन हो सकेगा (किसानों को लाभ

बिलेगा। तम सभी को जल संचयन के

रेसा कार जिल्लाकात अवल

विस्तर हो सके ।

लिए काम करना दाहिए। जिससे भवित्र

रमन कात लागों ने बताया कि नवीं

के कार्व में सहयोग करने वाली

को सम्मानित किया गया । जिसमे

राधारिक कार्यकर्त राजेव खारी

अन्तरमा त्याची वसान प्रत्य त्याची

अविशासी अभिवंत संतव दुगार,

अवर अभिवंश तिवेद शंगल.

का अञ्चलका धना

नदी कार्व में सहबोग करने वालों को किया सम्मानित

को बचाने की प्लानिंग करनी होगी।

- डेरणा शर्मा, (रिक्टिकार)

râm à cusit ren Grit à son sus

नरेन्द्र गोचे, जो

सरोवर वनव

अगरआपको अयना विय सम्बद्धार पत्र देशिक जागर मिलने में कोई परेशानी से खें है



### **NEK** आज अभिभावकों की



जल जीवन का अभाग है। पुरानी सम्बद्धा, नवियों के से प्रपन प्रसर कार्यक्रम आपीतिन Chapatorna afronsammen

### 20 गई को हापुड़ पहुंचेगी मशाल रैली

हमूरः खेलो इंडिया पुनिवर्शिर्ट आयोजन 25 नहीं से शुरू हो रहा है तिसके एवर आगमी 20 माँ की रावि की 7,45 बर्ज आसमा संभा परं 2 को सबस ६.४५ बर्ज से उपल मधाल रेली कलक्टर ह्यपन से धमण करेगे इसके गाद सक्त 10 वर्त से गान तब बने तहा जिपमास वर्ता स्टाल में यांग्रामिक कार्यक्रम आसंजित कि जाएंगे। कार्यक्रम के लिए सोही अं प्रेरण सिह को नो इन अधिकारी हनाया गया है १८ जन।

### आंदोलन को गति देने के लिए बनाई रणनीति

दबारः जनसंख्या समाधान कार्यकान ब्रेस जनसङ्ख्या निवासा कानून के निय पालाय जा रहे आदोलन को अं वित केने के लिए वरूकार को बैटक की गर्न । कार देशक के उक्तरिय करिए राजेंद्र गर्जर, मरावीर चीधरों की अध्यक्षत में जवहर गांत कार्याना पर हुई वैद्रक में निर्णय लिए गए नाजीद गार्लन ने कहर कि देश म तनसंख्या का असंतुलन बढ़ स है। जिसमें काउं डेशन ने पूरे देश से आकडे एकटडा करके बहुत मेहना ने एक शांकिक के अधिप असम्बद्ध असंदर्भन को बर्शाण है। इस बीरा मिलागां सं संदर कमार आहे. संश पुजर, महेन्द्र कुमार, राजेश शर्मा,

ष्ट्रेमांचु रक्षरी, सुनीता घर्मा, कृष्ण

# जमीन देने वाले को युगों तक करेंगे याद : स्वतंत्र देव मैं नीम नूदी, मुझे मिली

गांव दात्तियाना में नीम नदी उद्गम पुनर्जीवन उत्सव में प्रदेश के जल शक्ति मंत्री और राज्य मंत्री हुए शामिल जीवन की मिठास



कहा कि इंश्वर को त्याग सबसे नीम नवी उद्धानम् पुनर्शीवन उरस्तव काविदाम कावीव प्रशासन्तर कर गुम्बरम करते व्येक्त सरकार के केपिनेट मंत्री नवतंत्र केव विद्वा व राज्यांगंत्री क्रिनेश स्प्रतीक क तास्त्रात



विदासिक स्थान पा पुका है। जब - कुक्सरोगण में होता है। उन्होंने कहा - कि अन्नवदाओं और प्रम देवताओं बर्तेंगे तो तंदुकरत रहेंगे और जीवन स्थाने को जगड़ नहीं मिलेगी।

लाते हैं, उसे खाद के रूप में एक महाअधियन बनाना हैया।

हो स्थान पर सुरक्षित सक्ती हैं। मल - विनेक जागरण समूह के कार्यकारी - और हम आप्रधासन देते हैं कि हम - के पुनर्तीवन के बाद अब वहां पर कम से निकलने बाले पानी का प्रयोग - संगादक विष्णु प्रकाश त्रिपाड़ी ने कहा - आरो भी आपके साथ खादे खेंगे।

जब भी किसी नदी की बात आती है

जाता है कि जान

के अंदर भी

यह तो एक ऐसे

तो सभ्वता की बात होती है । वहां

क अबर भा क्रिनर है और सर से राज देश

to A year. . e. ...

भारताय की है। जा आने तीय उसी के

किनारे पर कितने ही तपरिवासे ने

तपस्या की होगी। कन से गह वर्ती

आ रही होगो । योग-योग इसके

पास वेटा होगा । जब इस नदी क

पुनर्जीवन उत्सव है, बसके लिए सभ

प्रशासन और आम आवनी एक साथ

को कवर्त । जब कभी भी जारून-

हैदता है. जनशहित हम जाती है।

लोगों ने अपनी बच्छा से बसे छोड़

- कंपर केसर फेसेट प्रतिहा

fecafacina & portanta

के पात्र है।

दिया । इसके लिए सामीग भी क्याई

जिन किसनी

dranti for flex

न्मन करता हूं।

आत हमारी सरकार जल संवयन दे

िता वहा काम कर नहीं है। वैनिक

जहारण और रमन कांत त्यांगी ने

मिलकर एक बाब मकाम हासिल

देने के निए पानों को लेकर बढ़े

अभियान चलाने होंगे ।-हरेट

Pair, finness, econologo

अधिशासी अभियक्ष श्रीर सि

किस्टान सर्वेद त्यानी, स्वातीर सि

बोगोचा त्याची अभिन त्यामी अञ्चल

त्याची, निवित्त त्याची, सत्यप्रकार

त्यामी, बीएक त्यामी, त्येश त्यामी

किया है। यक्षाओं को अध्या भवित्र

जमीन ही, उनहां

नीम नहीं पर जमीन के लिए गांव के

दर-दर्शन से लीग आर्पी तो समीण कि मांच के लीग यदि सोच लें तो. को बिनकता के साथ नमन करना तथिक रूप से मजबूत होंगे। नदियाँ देश और राज्य के लीग इसे देखने के चाहिए। जिन्होंने इस नदी के लिए लिए आरोगे। बालों, आयोध्या और स्पेत्रता से जमीन हो। तसन बांत उन्होंने बढ़ा कि किसन एक जीवी. बंदाबन में लीग अधिक आते हैं तो. और उनके टीम ने नदी का इतिहास वेल जरूर चलें और उससे खेती. बर्स पर एवं विस्सा जमीन थी नहीं. किस प्रवार लीगों की समझाय होता. हरें। उसके गोबर और मूत्र से खेती। मिल रहो है। इस स्थान पर थी पैर. किस प्रकार तीनों ने समझा होगा में क्यों बीमोर नहीं हो सकते। धल, राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने कहा यह कलियुग के देवता हैं, जी प्रकृति जल और मल का जीवन में बादा कि पर्यावस्था, जलशकित और जल के लिए समर्थण की धावन रख

और कैसे लोगों ने तैयर किया होगा। आएगी। महत्त्व है। महा से बीमारियां होती. संचयन इन तीनों पर काम कर रहे. हैं। मैं उन्हें भी प्रणम करता हं की, इसलिए देश के प्रधानमंत्री नरेट हैं। कारण च प्रधानमंत्री वर्ष 2014 दिनक जागरण ने इस पूरे अधियान भी, इसलिए देश के प्रधानमंत्री नरेट हैं। कारण च प्रधानमंत्री वर्ष 2014 दिनक जागरण ने इस पूरे अधियान मीदी ने धर-पार में शीचारण बाजाने से लेकर आज उका प्रचलि के लिए में अपने सरकारों की संकरणना में का काम किया। मल का खाद कैसे. जीना है, पर्यावरण के लिए जीना है, जी येनद्रन दिया है, वी बोर्ड सरहना बनाए और उसे खाद के रूप में कैसे जल संच्यन के लिए जोना है की जा विशव नहीं है। एक सामाजिक प्रयोग करें, इसलिए बिजनीर में एक बात करते हैं। वह जल ही जीवन समाधार पत्र होने के नाते यह हमारा प्लॉट लग है। स्वच्यत कर्मी मल है का जार दे के हैं। इसकी अब उत्तरहरिया बनाव है कि हम इस सकेगा जिनकिसानों के खेवें में पाने तरह के बार्यों में अपना चैगवन करें की मात्र अल्प्रीक लगते हैं, नीमनवी

चिता जो है पाने की, उसको दूर

करने वा जो संकल्प रमन कात

में तिया है। उसके लिए जो मुहिम

पुरू को गई है, वह तारीफ

के कावित है। यदि हमें नदी को

macellinas moran di vit erat firminan

वा सवस तेना प्रदेश, जो काम

हम सर्वोत्त साथ मिलकर कर सं

है। दूसरे विशवपुद्ध के बाद उन्हेंनी

ने भारत सरकार के साथ मिलकर

पर्यातसम् और स्वेले पर वाम करन

शुरू किया। जीआहतेत जल गरिः

में बालद के साथ मिलकर 17 राज्ये

में मिलकर साथ काम कर रही है

आध सेटेलाइट से वह देख राकते

से जाते हैं और इस नदी के साथ

है कि नीम नदी कीन-कीन से सबसे



नीम नदी पर पहले किसान रहेती कर

रहे थे (जिसके बाद उद्यास स्थल की

टीम ने नीम नदी को दुनर्जीवन देने

और उनकी टीम कवाई की पांच है

जिले में तीन ब्लाक गढमुत्रतेष्टार

रिकेशावली और हायुह तीनी हार्क

लोन में है। यानी की समस्या के

बारे में बोलने की कोई अध्ययकत

नहीं है। डर्क लीन से क्यमें के लिए

हमें ज्यादा से ज्यादा अमत सरीव

हमाने होंगे। वर्षा के पानी को हथाने

को भी आवश्यकता है। तालाबी और

रेन वाटर हार्वेरिटम सिस्टमी से हम

संबंधी मिलकर एकजुट होकर पानी

का कम किया है, प्रसंक्रि कर

पुनर्शीयन होने चे विभागी को काफी

जाराज बजाने के जिस आहे आजा साहिए

सभी को जागरूक होकर विलाद होने

वाली दूसरी नदियों को बचाना चाहिए।

ये। आज यह कार्यक्रम में नीम नहीं के

हुँ। इसका भेग दैनिक लागरण सहित

उस लोगों को उन्नता है कि जिस लोगों से

सरग्रसीय कार्य किया है। प्रस्त कार्य की

आहे वाली वीली भी वाद रहेगी, तथेकि

इतियान जात है तीन नहीं भी है, यह

बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन अब

अपना शरितवा यो प्रणी नीम

क्षेत्र के सभी लोग जानति है।

- छोटे खो

रामके प्रमानिक के लिए कार्र किया ।

- रांटीय कुमार बीट्

याने में सुना धा

पित्रते से काली से

रववर भी पढ़ रहे

लाभ विलेखाः

कार्य है। सबी

पण पाने लाने

है. गह बात सभी

लंगों को जनमें

जागरण की ओर

से नीम नवी के

भी कदिनाई क्वों न हो, सच्ची लग्न के

कार्य में लोगों को जाने वाले समय में

वनर्जीवन के लिए जो कार्य किया गया

. वह क्षेत्र के लोगों के प्रविध्य के लिए

नहीं जब जलपुद्ध की रिवाति भी पैय हो।

का की उस स्वीतिक में बनाहर किया

लाभ मिलेगा। - बिह्नू लागी

समने वह बद्धा औद्य होता है। आज इस

विद्यारे क्ये शाने में किशी आक्याप मे

आदिया गोवरी

बद्रोतरी होगी ।दैनिक जागरण का यह

एक वर्वटम स्थल के रूप में कह स्थान फिल राया है। जिस सामी भी से सरके विग्र भगि को संस्था है, वह भी - सुभाव प्रसान | सरहनीय है। - मनविर सिंह ऋषि बतारे की पवित्र भूमि से निकत

रुप्ने नीम नद्ये को क्याने का हमारा 🕶 । प्रशास असी रंग ्णवा है। हमें अभे और बेहनत करनी

रावे का प्रस्कृतिक

रक्षण्याती आसी।

होगी (नीमनय के किनारे वर्षि नीम के पेड़ लग आएंगे तो इसके उद्भाग रचल को उसकी प्रत्यान मिल सकेती (तीम नदी का धनी अधिवर्धिय [णी वास व्य । जितने भी गांव इस वी के किमारे पर स्थित हैं. उनमें में अधिकार गांवी के लामारों से वह नदी जुले हुई है।जिले के मुखबूर व सैना गावों में यह तालाब के एक शोर पर आक्रम शिरती है और दसरे छोर से पन : आरम हो जाती है । वर्षा के दिनों में जातों में जानभगत अशिक समय एक नहीं रह पाता था, वर्षा कि नीम नवी उसे सहाकर ले जाती थी। - समन कोत त्यामी, भारतेय 🌘



मार वरियान में जैन नवी या उद्यान स्थत + उद्याना

मानीम स्टामी क मापुड

गमा वा आज में बहुत खुश हूं। मुझे लोक्त को आमाकस्या व संख्या पर पुत्रजीवन मिला अस्तित्व खत्म हो चका लेकिन एक बार फिर मैं समान और धरा को अपने जल से ब्रिन्धित करने के लिए उत्तर आई है। यह सब आसान नहीं था, पर जिस तरह से दैनिक जगरण और के लिए बाग किया। यह इतिहास के पानी में एजे ही जापना। मेरी सांसे तो धम चर्का थीं। एक-एक हैट कर मेरे प्रवाट क्षेत्र को महारो द्याना गया। मेरे लगालर शिवल हीने से मेरे किनावें पर कब्ता किया गया. वहीं खेलों तो वहीं निर्माण को प्राथमिकता दे दी

रहें। गोवीं के लिए ब्रोडीकर्त और लोगों के लिए नदी के रूप में जो पहचान को गई थी. प्राप में हैं। मेरे बहाब क्षेत्र के निक

इन्याना गांव के जंगल इसे सिद्ध निर्माण में प्रशासन के साथ समान करते हैं जबकि जनश्रुतियों के भी महती भूमिका निभाई।

### मेरा पानी औषधीय गुणो मेरा नाम नीम नदी कैसे प्रस यह तो स्वयं मुखे भी नहीं पता

लेकिन गांव के बतर्ग उसक कारण बताते हैं कि मेरे किनारे नीम के वेठ बहुत थे। इस कार से ही मेरा पानी औषधीय गुणी वाला था। बरसाठी नदी के खा में धरा पर उत्तरने वाली मैं नीम नदी विकास सांव के निवले जंगल से होवर च्हते रही हूं (विशुद्ध गांवी की नहीं होने के कारण जितने भी गांव मेरे किनारें हैं उन सर्घ के जालांची में जुळे हूं, हरापूछ है मुरावपुर व सैना गावों में ताला के एक ओर घर जाकर गिरती हु और दूसरे छेर से किर आगे बढ़ते हुए दरियाना व खुराना और गावें से तालवों से यह सटकर बहती की है।

न्यानने को रिश्रति में यह विचार । करीब 200 गाँव किसी न किसी मेरे जेहन से लगधर सहस हो। प्रकार से मुझसे प्रधावित होते रहे हैं दावा था कि मझे कथी जीवन - दी वर्ष पहले मझे पनर्जीवन दे फिल सकेता। जिल्ला लोगों पर होरे के लिए लिए लागरण और हो जीवन की संबंधित संबंधन संबंध पार्टीकान में बीजा उसाया था। का विकास करना था, उन्होंने मेरे - काली नाई पूर्व की सक्षयक नाई है तो मुझे पहले पुनर्नवित कर और हो मैं अपना दर्द करती। आक्रयक था। दिनक जगरण औ चली गई अपने बारे में तो बलाया और प्याउँहेशन ने हायुह जिले की ही नहीं। मैं नेम नदी हूं। हापुड़ 14 किलीमीटर मेरे किनारे की पद जिले के दुरियाना गांव से शुरू यात्रा करके एक नक्शा बनाय हास होकर करोब 188 किलोमीटर भेरे प्रयाह को समझा। इसके का को पूरी तथ करते हुए करीब सरकारी अधाला भी मुझे पुनार्तीकि वंबी को दुबर आगे बदली। करने के लिए वह खड़ा हुआ मेरा जिल्ल पौराणिक किस्से- उस दिन मुझे उम्मीद जयो कि अब करानियों में भी मिलता है। शायद में आपने अस्तित्व में ली सम्बन्धे दस्ताकेनों मेरे उद्गम पार्कगे। मेरे करीब 100 बीधा नमी-रापुर जनपट के पेतिसासिक को कब्जामुका कराकर कर्रा झील

अनुसार नदी का उद्गाम मेरत मेरे बारे में जब एक दिन दैनिय प्रजयन के प्रतिभागा करते से जागरण ने प्रदेश के जान शिव त्रीता है। जनभूतियाँ पर्वेश्वितगढ़ मंत्री स्वतंत्र देव को जानकारी र करबे से निकतने जाती विजुता और मेरे बहुव क्षेत्र की दिखा ही चुन्नो भौतिको नदी के संबंध तो उन्होंने तभी मेर चुनारीक में जानकार्य देती हैं। इतियाना तथ कर दिया था उन्होंने संघी की गांव के निकालकर में बालंडराकर अधेजा दिखा था कि भी एक दिन कि व अलोगद से होते हुए बासमंत्र - जरूर बहंगे। जिस-तिसने भी मे में रचन बाबा के मंदिर के पनतीयन में प्रविका निवाई है उ निकट करोब 188 किलोमीटर संभी का शुक्रिया अंद करने के लि को दूरी तथ करके गैग को भेरे पास शब्द नहीं हैं। पर मैं बा प्रमुख सहायक नदी काली पूर्वी करती हूं आप लोग जितना मे में समाहित हो जाती हूं। हापुड़ खावाल स्क्षीने मैं उससे कई गुन जिले में मात्र 14 फिलोमीटर करके आप लोगों को लीटाईरर ही मेरा रस्ता है, बाकि करीब भेरा पुनार्तीयन समाज व सरकार 174 फिलोमीटर का बसाव क्षेत्र के सम्मृतिक प्रयास का एक अनुता

खड़ीक का समाग हुआ। उन्होंने किया और महाँचे बाल्योकि मंदिर को निर्धि से कराम गया है। प्रदेश बड़ारों है। समाज में परिवर्तन हुआ। एकरी बाल्योकि मंदिर को निर्धि से कराम गया है। प्रदेश बड़ारों है। समाज में परिवर्तन हुआ। एकरी बाल्योकि मंदिर की निर्धि से कराम गया है। प्रदेश बड़ारों है। समाज में परिवर्तन हुआ।

बाल्मीकि स्थानन का लोकाकेंग कालेप तेन स्थित की कियानगरिकत पर आयोजित पड़कार वर्ता में से कमजीर देवती पटरी कालें की

गारादीन वाल्मीकि सभागार का खेरान देश को जनता का पेट बर का काम मोदी सरकार ने किया है किसी को धुरक्ष नहीं सीने दिया राज्यमंत्री दिनेश स्वटीक ने कहा है

राजनीतिक और समाजिक क्षेत्र मंत्री पाजपुरी दावटर सहले त्यारी



तापमान

जोश, जुनुन और जनता से जुड़ी खबरें

☑ @DainikHint

वर्ष : ४१ | अंकः २७७ | गानियाबाद, शुक्रवार, १९ मई, २०२३ | पेजः २८८ | मृत्यः २०२ र गानियाबाद, नोएडा, दिल्ली, मेररः, हापुङ, वृलंदशहर, वागपत, शामती, मुजफ्फरनगर व सहारनपुर से प्रसारित | डाक पंजीयन संख्या यूपी /GBD-166/2016-18

# काली नदी के प्रदूषण पर इमरजेंसी क्लोजर कार्रवाई

### हिन्ट संवाददाता

आज का विचार

"अगर आप जिंदगी में कुछ हासिल करना, चाहते हो तो मेहनत से दोस्ती

सर्राफा/बाजार

सोनाप्रति १० ग्राम 🚣 चांदी प्रति किलो 🖠

₹ 62,265 | 74,600 ₹

सेंसेक्स

सेंसेक्स 1.23% ▼ 1.14% निषटी

61,560.64 18,181.81

www.dainikhint.com

काली नदी पश्चिमी में जल प्रदुषण को नियंत्रित किये जाने एवं ऐसे उद्योग जो अशुद्धिकृत उत्प्रवाह को काली नदी पश्चिमी एवं हिण्डन नदी में निस्तारित कर रहे हैं, के विरूद्ध सख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देश शासन स्तर पर. मण्डल स्तर पर आयुक्त व जिला स्तर पर जिलाधिकारी द्वारा दिये गये हैं जिसके सम्बन्ध में नियमित रूप से विभिन्न स्तरों पर बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं। जनपद में हिण्डन नदी में प्रदूषण का मुख्य स्रोत काली नदी पश्चिमी है, जिसके कैचमेन्ट एरिया में मुख्यतः पल्प एण्ड पेपर उद्योग संचालित हैं। प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नियमित रूप से रात्रि में भी धन्धेडा नाला, बेगराजपुर नाला (मुख्य प्रदूषण स्रोत) का निरीक्षण किया जा रहा है। यदि किसी उद्योग से अशुद्धिकत उत्प्रवाह निस्तारित

मुजफ्फरनगर। हिण्डन नदी एवं

होता पाया जा रहा है तो सीधे उत्पादन बन्दी की कार्यवाही की जा रही है। इस हेतु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सभी जल प्रदूषणकारी उद्योगों को पूर्व में भी सचेत किया गया है। विभाग द्वारा आज उद्योग मै० जीनस पेपर एण्ड बोर्ड्स लि0 (युनिट-2), 8वां किमी०, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर से अशुद्धिकृत उत्प्रवाह का निस्तारण पाये जाने पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

द्वारा बन्दी आदेश जारी किये गये तथा

क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा सीलिंग की कार्यवाही करते हुए उद्योग को बन्द करा दिया गया।

क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सभी उद्योगों को सचेत किया गया है कि यदि कोई भी उद्योग हिण्डन नदी/काली नदी पश्चिमी को प्रदूषित करता हुआ पाया जाता है तो ऐसी स्थिति में उद्योग के विरूद्ध तत्काल इमरजेन्सी क्लोजर की कार्यवाही की जायेगी

### वीन-वीन सा ताताव जब है। बचाने वा संकल्प लेना होगा। -राजी। आहरा, वीजवृदेत के निर्वेश - प्रेरणा बिंह, सोडीओ बुलंदराहर, अलीगड् व कासगेज - उद्यक्तन है। 'देशवासियों ने किया तय, अबकी बार भी मोदी सरकार

स्तकार के जलहाँका कैबिनेट भेजो स्वर्धप देव सिंह ने प्रवर प्रधानमंत्री गरेंद्र मीद्री को स्वीकार जरेगा। साथ करोड़ देशायसियी में तब कर लिया है कि जाति धर्म, परिवासमाद, पंशासाद और रेजपाद को छोड़कर नरेन्द्र मोदी े देश का प्रधानमंत्री बनान । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोधे के नेतृत्व में ही गरीब का कल्याण हो सकता है और हमार्च सोमार्च

सुर्वश्रेत हैं। 2024 में कोई लढ़ाई सिंह और राज्यमंत्री डिनेश

समोजा सेनाने सालपेन में दर्शन थिए। यह निर्माण कार्य प्रमध्या अवनेश त्यागी के निकास है। वीरीन काल में आधिक रूप सुद, रहाई त्यागी आरोध त्यागी

 वह निर्माण कार्य स्कांत्र के लिंह की विधानपरिषद की निधि से कराया गया है स्वतंत्र ऐव सिंह ने कहा कि केंद्र इस डीरान जिलाध्यक्ष उमे

सरकार के मैं वर्ष पूरे हुए हैं। इस राणा, विचायक विजयपाल आहर्त मैं सालों में सम्मान में परिवर्तन विचायक ग्रहमकोशवर सरेंद्र तेवतिय आया है। लोगों को सोच अवलो क्षेत्रीय मंत्री आयोध जला, पूर्व प्रदेश र्वे लोगों के काम करने का तरीका जिला प्रचारी गर्चक गोवल, पुनी बटल है और अधिकारियों के क्षेत्रों गोयल मोहन स्थित ज्यामेंह त्यागे में को बारानाव आया है। गरेकों के प्रातित बान्योंकि प्रकार प्रात्मक कल्याम को लेकर लोगों को सीचा दुखीत त्यागी, शंकेरों त्यागी, प्रदेश



### से लगे तीन जिलों के सैंकड़ों गांवों का भूजल स्तर होगा ऊंचा, करीब एक किमी तक के गांव इससे होंगे लाभांवित, तैयार हुआ माडल

सर्वत प्राप्ते = १६५

जब गेंडलर्ब्स ने बेग गर्छ के उद्गम स्थल पर नवे को पुनर्जीका करने के लिए फानड़ा चलाया तो पूर्व बायरात गर्ने को अधिरत ब्रहाने क प्रवास में जर गई। बाजपेता से लेकर अधिकारे, स्वर्ध शताया साहर से प्रधानी की शाल की जाते जिल्हा जा बाम किया तम नया। यह योधा रापन | वहाँ से होकर गुजरवी है नीम नदी की बात रही हो या फिर नदी में स्वोदर्ज को। सब्देन जमान संचाल लो। हर कोई इस ऐडिसिक दिन में भारत जम दर्व करना चहत था। सभी भी हरना भी कि यह भी अंग वाली पीड़ी को नीम नाई के पराजीवन के किससे करानी सान राष्ट्र। यह इस बात को ब्रश सके कि उन्होंने भी नेम नवें के दुनार्शियन देने के लिए काम किया या। अब यह दिन दूर बते जब नीम नदे एक बर फिर कल-कल करती अधिरत बहरो। इस बरवात में हो तीम गर्दे अपने पहले अस्तित्व को प के सैकड़ों खेंचें का बुजल स्तर उठेवा होबा। यह नई उन बीचें को जीवन स्टा बनेबी। नदी के गांव के साव



जुड़ी महिलाई, सुद्ध स्टाप्पर्ट, हाम अद्गल स्थल पर आदेशित कर्षकम में शतिक करते खेंबुध रमन कार ताली » स्थाना

जिला अलीगद

नदी श्रीत: 40 दिली

अवसीती वहसीत के गाव मतहादूर से

अर्थिताइ में प्रदेश करती है। उन्तरपूर

अरमपुर, तिरोती, काकांत होते हुए

प्लेडर, संगत शहर, राजेश,

कारी नहीं में मित आजे हैं।

### नवे श्रीक:-१४ विज्ञी

दक्षिताना में नीम नदी का उद्यास स्वतःहै। यह ते हिम्पकर, राज्यत, मिखीत, नव सम. हरतीहर, सुरादहर, सेख, स्वर्धनी और देशियपुर होते हुए गये खुराग गर पहुंच्ये हैं

जिला वृतंदशहर नदी क्षेत्र:-134 किम सक्तर से इसकाहर जिले में रीम नहें प्रोत करते हैं। यहां से केरिएर करेंगी, केलीक महारा, निर्द्योष, नवाबीन, नवा गांद केला, साहना, किरराहरी, रिजीत, द्वापक, औरपन, चटेरा, शंदेरी, शंदेरा, प्राप्त करने, अमरणद, राखना, कारों। इस गर्छ से एक तीन जिला | लाहेर्ड, संदर्भा, कुंगर नाट, सतरमा, बहेस, मोरिम्पुर, सुसरवद, रनापुर, मलकपुर, सौराता, उतका, भारताचे, विगावती, तबैश खेळा, कुरुबार खेळिया. रानी कलकारी,शोदर रहेक्ष, बुरहामधून सूर्व प्रहारती है।

है। उसे लाद करने की रीवर्ष को जा एक मार्च 2021 को जब दिनक को मुनवीचित किया जाना चाहिए। रीकार को है कि जीम नाटे 12 महीने चीतवान में नीम नाडे की पुनवीचित । लोग जानत है कि कार्ग पतित नहीं जाने देश। सैकट्टों को संख्या में सूचेंब क्षान्य का कहन है कि जानीने सी है। मदी में जबर-तरह देन देंग जबरन ने नेर पार्टदेका के साथ इससे बोध के साथ दूसरें का में भार। को इसके लिए नदी में सतावार का करने के लिए आए लोकों में जबरना पायनी मों नेरा की साराय करने के लिए शामी में पायदे करेंगे। इससे खार पारी अर्थ नहें मिलकर नेम नहें को पुनर्विधित होया इस पर क्षी ने सहस्ती जातां। अहितीया को तहें में सूच्या जहारा। अस्ति हिंदी अंति में नहें अबकर मिलने वाले नेम नहें रेग में लेकर आहा। होने पर चेक हैन पर रूक जाएगे और जह थी कि गीम नहीं पर पैचावत जाइकन रुक्त ट्रेक्टर ट्राप्ती में समार भी बहेगी। 

लोबों को लोब पहुँच हराके लिए गीर भी गिल संबर्ग: तरह-तरह के पत्ती और के बाद और भी रेपावत प्रयक्त से क्षेत्र को एक बादा बाग होंगे कार्यकान ने एक नावल तियर किया अवस्थार में विवाहो कार आहेत। में पहुंच कहा कारी ने बात कि नदे जा कार है। विवाह विवास में बीजन अ**कारण शकारक, अपूर**ा गाँव तियु जनता तैयार है। रहेवा इसके नाम ही नहीं के कियरे. हैंपर नहीं हुए। सीन डॉल्यना के अब का बात संघा यही था। अब ओरों की में कियहें कर सबेने।

b feech

तोगों द्वारों मृतवाह से दन पर

कारत हो यह, तेकिन उप लोगों

ने इंसमिवत का परेचव देते हुए

गुजर प्रति

नेम नवे हो

लोग मार्ग र

प्रशिक्ष

इतने में

अने वे । इंछ

### इसी वरसका में पराने अस्तिक व को पाएगी नीय नदी

- रोक्टो गांवो के लिए छोगी जीवन
- राष्ट्रज ने संपाली नदी को कुरसीका देने की कमान

### नीम नदी के बारे में वह भी जानें नीय नदी हीन दिलों से होकर मुजरती

है। इसका उद्गम सपुत्र जिले के व्यक्तिकारा बात में है। यह शिक्षाविक गांव है। बडाया जाता है कि यह ऋषि यत्त्वप्रेय को लग्नेम्प्यती गरी है। उन्हें ठे नाम पर गांव का नाम भी वरित्याना यक्ष है। वह नदी दक्तियाना से राजवहा के साथ होते हुए सहस्थन के लेख राजवहर को घर करती है। यह नवी रापुद्र विशे के 14 गार्थ में होकर नुजरते हुए बुलवशहर जिले में पहुंच जाती है। बायुद्ध में बनावी लगई अ.2 किमी, १८४ किमी बुशयाक्षर में और ४० किमी अलेगत में है। अलेगत में वह नये वाली नवे में आकर मितारी है। जो सद में गरा में जाकर विराय हो आर्थि है। यह एक ऐसी नये है जिसमें जीते प्रतिशत प्रयूक्ता है और यह काली नदी की स्वेदशक होने के कारण उसके प्रवहार की कम कमने में अपनी

तंत्र सार्थ कार्य आपनी दिशा में आहे करीब एक किमी तक के रांच इक्की जायन का लगाने को बी तैयरी को जान वाल बावार त्यारों को नव यह बहु रहे हैं। तो नाम नई को पानर्जीका ात को है। इससे पर्यक्ता का तुद्ध । जनकारे मिले ते वह कुछ लोकों के। दर्ग के जुड़ लोकों में खुड़ों को दिकारा

नहरपूर्ण भूमितर निभारी है।



रीम नहीं के अक्राम स्थल पर अवविदेश कार्यक्रम में उपनिवास लोग + जागाया



र्वेष नहें पर समझन करते स्ट्रिप्तन प द्वाविता o जातना

# बारकर करते तीम नके से उसे बादन सेती साम है नोहींओ उच्छा निक्र (दार से बार हा नामका

के किए इंडडर करने आवडर e सरावरा

# तम नर्ड हे खाद हे खाद कर करते के सब से परिवर्ष से अवस्था सब उस कुछ ता कर पर कुछ ता कर प्रकार का उसने की गाँउ में जगा उत्साह, सहयोग के लिए बढ़े हाथ तम को तक पतुंच रहक तिहा तर से मान सबसा तत तत के से से के कुछ तार और से पेयाल प्रवर से अब का एक बढ़ा करते हैं।

का मीका मिला है, जिसे वह हाब सं और इंतियान निवासी 70 वर्षीय

कर रहे के कि इस एरिटरिक्स कार्य के अब्द उन्हें नहीं को पुनर्निक करने जबस्तरत उत्पाद देखा जो रहा था। को हाब से नहीं जाने हुंग।

धीर-धीर रथे का जल सार घटता साफ देशों ज सकते थे। अमदान में भी, लेकिन विकास को देह में दह र समाजसेथी औरकाई बहु-चहुकर समय नई का अर्थितथा को नैधीतथ

स्ववं सहावता समृह की महिलाओं ने किया श्रमदान असी अधार : एकरों के बाव केरों में करा मिलाकर वाली करी महिलाए सेम नदी को इसलीति। करने के लिए भी अने दिखाई दें।

उन्होंने एकतों की क्ला कार ख

विकास असम रवत पर खोकी की एसका सहायता समृह की

महिलाओं है एक स्टब्र में करा कि

मैल्ब समय में दानी का संकट

माझा रहा है। क्षेत्र के क्षत्र की

एक जीटर बेरत के 15 में 20

रंग्या है है। इस रहे कर है। अर्थ

कर्त रीड़ी को साहै करी होते

समस्या से बखना है जो नहीं र

रातको के अभितान को स्वान

होगा करमा करिए कि एकी

वर विना करी के उर्देशन देखा

होग । देनेक जनरण की वहत

को समझ्मीय बताई हुए कहा वि

क्षेत्रका ।

यह दिन इतिहास के वनों में दर्ज

### श्रमदान के लिए संकल्प लेने वाले युवाओं को भी याद दिलाया वादा

### श्रमदान कर छात्र-छात्राएं बने भागीदार



नीम बढी पर बामदान करते एवत -दारावर्ग + उत्ताहर

का स्वर समार्थ।

अगदन करने वाले हुयाओं ने उन अल सुधार रहे हैं और अपनी जैम

# अब वह दिन दूर नहीं जब नदी में बहेगा पानी

विश्वदती के मांद वितिशास व मंडलाबुक्त द्वारा नीब नदी शुनजीवित करने उनके अताबा दिएम. र्जी वीओं ने भी सहयोग किय। इन सब को देख मीके पर मौजूद नवी के कियारे वर्गे गांव के तोगों देनिक जागरण की महिम की राराहना वी। उन लोगों ने कल कि अब बह लोग अबने बत्तों को नीब नदी के बारे में बंबे से वहा तक, वर्षाकि जे नदी तथ हो गई थी उनको फिर से जीवित किया

पाउडेकर के स्वकाइकर से नीम नधी को अल पुनरविद्या करने में सहयोग देने का शीमान्य प्राप्त हजा है। हम नदिशों के ब्लैर

अपूर्व है। जैन नदी के पूनार्शिका के लिए सम्बार किया। होर्न के सदहन होन अने वानी (प्रदेश के जीवन को सुरक्षित करेंगे १-शुक्त अक्षेत्रे श्रम असन परिवान

तीम नदी में अगर खुरार होगा है ते का रूपी के दिए बातर होगा। राभी को कियों न कियों सह में नीम नधे के यूधार में अधन दोगदन देन ही प्रदिग। प्रेनेक जनसम्बद्धाः वह वह वह व स्थापित

है। -क्षेत्रमी मनकेर प्रेस, अवदा राष्ट्रीय मेरिक तत्त्व

देनियां जनराम ने इस कार्य में आभी भूमिका कार्युरी मिमाई है। इट प्रमाण शिए धन्यवाद के पात्र & Drients print and olde filter 👭 और आज का दिन आदा, जिसमें वधी को पुनर्तीवित का कार्य कुल हुत्रो : -कुटर पहल प्रेष्ट, १००१ जिसीमपूर





इसका दुरुपर्यम् अधिक करते हैं। रीम गर्ध को दुवलितित करने के शिर पैनेक जगरण अमे अस वे तोगों में सहयोग किया। अब अपने 📗 जनीम को ओड़ दिया। अब बहु दिन करते को उस के संकथमें जानकारी | दूर नहीं जब नधे में यानी क्ष्रेख : दे राजे । - काल केशका खोली - देवेद, काल सुरशिक

2000 जनकारी 0.0001 कर प्रमे







関連表 क्षती वर्तमान में सबाते बड़ी समाजव है। यदि नच्चे के अस्तित को स्थाने के लिए इस अभी से नहीं रेते तो इसके गर्भार वरिगाम भगतने होते। ज्यान कर साने, परायरित अधिक महरतेय हायम संगठन

सभी बाराओं को बाट दिलास जिसमें। यदे के बार्च को पान सीटार उन्होंने रोम नहीं को बच्चाने के लिए। चाहते हैं।

अन्यत्म अक्टरम् अपूरः नीम नदे -संपत्य शिवा गाः वात्र प्रतिकः यात्र को पुराजीयत चरने के लिए युकाओं। मुनमून, ईर, असूरी और रिया त्यांगी ने वैनिक जागरण के नीम नदें की एक स्वर में करना था कि दोग को पुरानीयत करने के अभियान नये के पुरानीयर को आवश्यकत को शरुपात में राजी आप वर्ग के उसके कियार बरने जाने सीवर्ग लंबों ने अंगदन का संकल्प लिया। प्राप्ते जबत को है। जो भी नदे के या। सोमावर को जब अगदान देने नवर्ष में सहयोग कर रहे हैं व करेंगे को शुरुआत हुई हो कुवाओं ने बद्द तर सबका फर्ज है व जरूरत है। चदकर धन तिया। गुणाओं के जोशा असंबंधि नदी तो अपने अस्तित्व को को देखकर लगत है कि यह अब कार्य सुधारने का माद्य सवती है। असम वर्त 'करता। यह भी बिन । हमें बह देश बराई नहीं पासन पारिए बक्र नदे के कम को आने बदाना कि तम नदे को पननीवित करेंगे पहला है। सभी को बन इस बात -बर्लिक, हम तो अननो उन रालियों का इंडानर है कि जल्द से जल्द नदी। को स्थारने का एक प्रथम करेंगे जो में करों भी निर्मात धार निर्माध बहें, जाने-अनकान प्रत्यात में हमसे नदी बर्द से किनारे पेंद्र शहराहाएँ, उन पर 🛮 ब्रो पुरशकर व मिटाबन हो चुकी है। धर्म अपने प्रोसले बनाई और अपने - उन्होंने बना कि नोम गर्ने प्रेजीयन पराप्राट से सुबर लोगें को आवेद के बार्व में हमें बस वर सोधकर प्रवास करन पारिए कि राम अपने





# नीम नदी की बात अब तो प्रधानमंत्री ने भी कर दी

मन की बात में नीम नदी का किया जिक्र, ग्रामीणों में उत्साह

जागरण संप्रादक्षता, सपुड: सुबह का पौने स्थारह बज रहे हैं...। हापुड़ जिले के गाँव दिस्याना में कछ लोग दैवटर तो कछ बग्गी से खेत से चारा काटकर अपने-अपने घर की और बढ़ रहे हैं...। कछ लोग वहीं एक दकान पर बैठकर चर्चा कर रहे हैं...। आज प्रधानमंत्री मन की बात में हमारे गांव की नीम नदी की बात करेंगे...। वहां ब्रैंडे गांव के ही रामपाल कहते हैं कि यह बड़ी बात होगी कि हमारे गाँव की नदी की प्रधानमंत्री चर्चा करेंगे...। पास में बैठे सबोध कहते हैं कि चाचा नीम नदी में हमारे गांव की पहचान परे देश दनिया में करा दे है...। अभी तक तो हमारा गांव भर्तो वाले मंदिर के नम से जाना जाता था। अभी कछ दिन पहले ही मैंने किसी को फीन किया गुजर रही पिंकी ने कहा जल्दी टीबी कार्यक्रम शुरू हो जाता है। शरू होन जा रही है...। यह सनकर वहां बैठे सभी लोगों के चेहरे पर कुछ लोग नीम नदी के किनारे पहुंचे |

131पने

सकते

IEH.

गपकी

जारत

ने नगर

शन

केया

रे एक

ात मेरठ

गरपीट

1 813

हेल ने

पहासी ने

ायल कर

प्रतिस ने

उधर से पूछा कि क्या वहीं नीम नर्दें राजीव त्यागी के साथ एक कमरे की दूसरे को ब्रधाई देने लगे। दैनिक दिलयाना में नीम नदी है रस पर काम वाले गांव से बोल रहे हैं...। तब और बढ़ जाते हैं। यह मकान गांव जागरण की धरि-धरि प्रशंस करने | मझे लगा कि नीम नदी की चर्चा के प्रधान रजनीय ।च्या के कह लगे। यदि दैनिक जागरण और नीर फाउंडेशन के संस्थापक रिवर मैंग दर-दर तक हो रही है...। वहां से ही देर में प्रधानमंत्री की मन की बात फाउंदेशन इस मामले को लेकर आफ इंडिया रमन कांत त्यागी से खोल लो प्रधानमंत्री के मन की बात प्रधानमंत्री की बात के साथ ही पनर्जीवन संभव नहीं था। वहां से दोनों मिलकर गांव दलियाना पहुंचे

जाते हैं। हम भी नीर फाउंडेशन के लग रहा था कि उन्होंने कोई बड़ी निहारते रहे।



को दैनिक

जागरण ने महिम

चलावार फिर से

जीवित करने का

काम किया है।

यह हमारा सीभाग्य

है कि नीम नदी का

उदराम स्थल हमारे

गांव में है। इसी

💓 कारण आज देश के

मझें अच्छा लगा कि मेरी ग्राम पंचायत

प्रधानमंत्री ने भी अपनी मन की बात में

का नाम प्रधानमंत्री ने लिया है ।

पुनम त्यागी, वाम प्रधान दविकाना

दी।और आज प्रधानमंत्री ने मन

नदी का जिक्र किया। इससे बड़े गौरव की बात गांव के लिए नहीं हो सकती।



मोदी ने अपनी मन की बात में किया है। जल संरक्ष्ण को लेकर हमें भी जागरूक होना चाहिए ।- पवन हण, दक्षियाना

करने के लिए दैनिक जागरण की महिम रंग लाई । आज इसका श्रेय दैनिक जागरण परिवार को जाता है |- सभाग प्रवास हिम्मतपर

एक छोटी सी विगासी

को जीवित करने के

लिए मुहिम चलाई।

के रूप में देनिक

😘 🤝 🚳 जागरण ने नीम नदी

धीरे धीरे आज वह ज्वाला बन गई है।

क्योंकि, प्रधानमंत्री ने भी इसका जिक्र

कर नदी का जीवित करने के लिए प्रेरित

किया है।- मनबीर सिंह, पूर्व सेनिक

|निरंतर बहे नदी ...अभी करने होंगे और प्रयास

म जोग त्यामी 🗢 स्पाड

दैनिक जागरण और नीर फाउंडेशन पिछले करीब ढाई वर्ष से नीम नदी के उदयम स्थल को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहे हैं। ढाई वर्ष पहले की स्थिति पर गीर करें तो नदी का बहाव क्षेत्र देखने के लिए टैक्टर टाली में बैठकर पहली यात्र करनी पड़ी थी। कुछ लोगों ने नदी के उद्गम स्थल पर अतिक्रमण करके उसका गला ही घोंट दिया था। घीरे-धीरे नदी का नामोनिशान मिट गया था। कहा जाता है कि ईश्वर उसी के साथ होता है जो प्रयास करता है। उसका फालाफल है कि आज नीम नदी के उद्देशम को पनर्जीवन मिल सका है।

वर्ष 2021 जनवरी में दैनिक जागरण को जानकारी मिली की गांव किया जाना चाहिए। इसको लेकर नीर बात की तो उन्होंने भी हामी भर दी। नहीं चलते तो आज नीम नदी का और सरकारी दस्तावेज के अनुसार

था। पर हमारे दृढ संकल्प के आगे के रुपयोग के बारे में बताया। वह कड़ कहने की स्थित में नहीं

सभी अपने अपने घर को और बढ़ राजब की खाशी थी। जैसे उन्हें और उसको देखकर काफी देर तक नदी के इंटराम स्थल को तलाशा। मोटरसाइकिल से लान संभव नहीं किस लेबा है। उसकी चौद्याई को वहां का नजारा देखकर लगा कि बार्स था। इसलिए टैक्टर का स्कारा लिया लेकर भी संशय है। इस मुद्दे के नदी जैसी कोई चीज है ही नहीं है। और उसमें ब्रैंडकर नदी के किनारे नीम नदी उद्गम पुनर्जीवन उत्सव दोनों ने तय किया कि इस नदी को हर अमण किया। देखा और जाना कि के दौरान रिवरमैन आफ इंडिया हाल में पुनर्जीवित किया जाएगा। बस नदी को पुनर्जीवित करने के लिए, रमनकांत त्यांगी ने जल शक्ति वहीं से नदी को पनर्जीवित करने की क्या-क्या प्रवास करने होंगे। हापड़ मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के समक्ष भी जिले में नदी के किनारे आठ गांव उठाया था। कहा था कि नदी की सबसे पहले गांव के लोगों को पड़ते हैं। इन सभी में जाकर लोगों को जमीन का चिह्नांकन किया जाना औदा: गांव के लोगों को इकटवा नदी के महत्व के बारे में जानकारी चाहिए ताकि नीम नदी की पटरी पर करके टैक्टर- टाली में बैठाकर नदी दी। बीरे-धीरे लोग इस अभिवान से पौधारीपण किया जा सके और नदी के उदगम स्थल पर पहुंचे। सभी को जुड़ने लगे। दैनिक जागरण ने स्कूल, को उसकी खुराक मिल सके। नीम नदी के महत्त्व की जानकारी रमन कालेज, बृद्धिजीवी, चिकित्सक, नदी हापुड से बहकर बुलंदशहर, कांत ने दी और बताया कि एक सेवानिवन्त अधिकारी कर्मचारियों के अलीगढ़ और फिर कासगेज जिले नदी के जीवत होने से कितना लाभ श्रीच जागरकता अभियान चलाया। में जाकर काली नदी में मिलती है। मिलेगा। वहां मीज़द अधिकांश लोगों इसमें रमन कांत त्यागी के साथ खेल बलंदशहर, अलीगढ़ और कासगंज को यह सब मजाक सा लग रहा प्रशिक्षक मदन सैना ने लोगों को नदी के लोगों ने भी नदी के बहाब क्षेत्र की साफ सफाई कई बार की है। नदी यात्रा अभी लंबी है: नीम नदी का के किनारे पर कहीं भी पेट पौधे नहीं

थे। हालात यह थे कि नदी का बहाव उदराम तो पनर्जीवित हो गया है, हैं। इसके कारण भजल रीचार्ज की

 28 मार्च 2021 को प्रदेश के राजस्व व बाढ नियंत्रण राज्य मंत्री विजय कप्रयप ने जायजा लिया।

- सात जुन को नदी के उद्याम स्थल
  30 जुलाई को प्रदेश के जल पर श्रमदान किया । जे सीबी मशीन लगवाकर नदी की खोदाई का काम शुरू कराया ।
- 14 जुन को शुटर दावी प्रकाशो भी श्रमदान करने नदी के उदगम स्थल पर पहुंची ।
- जिला प्रशासन ने द्यपड जिले की 14 किमी के बहुाव क्षेत्र को मशीन से साफ कराया ।

 ब्लंबशहर के जिलाधिकारी रवींद्र कमार ने भी अपनी सीमा में सफाई कराई।

शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव ने गांव सिखेख के पास नदी के बहाव क्षेत्र को देखा और कहा कि नीम नदी हर हाल में पुनर्जीवित होगी ।

 लच सिंचाई विभाग ने एक प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा और वहां से करीब 48 लाख रुपये नदी को एनजीवित करने के लिए दिया गया। एनजीवन की राह आगे बढी।

### वनेगी नीम परिषद

अब नीम नदी के संपूर्ण पुनर्जीवन के लिए प्रयास आगे बद्धाए लाएंगे। इसके लिए शीध नीम परिषद का गठन किया जाएगा । इस परिषद में नीम नदी किनारें के गांवों के प्रधानों की महत्वपूर्ण भूमिका तय की जाएगी। इसके लिए उनके नेतृत्व में नदी पुनर्जीवन समितियों का गटन किया जाएगा। नीम नदी उद्गाम व उससे आगे की नदी की दरी को लेकर दो अलग-अलग योजनाएं तय की जा रही है। जहां उद्गम को हरा भरा बनाने के प्रयास किए जाएंगे । वहीं नदी के आगे की लंबाई के सुधार हेत प्रदयात्रा करके समाज को जागरूक किया जाएगा।

क्षेत्र देखने के लिए किसी गाड़ी या. लेकिन अभी नदी का सपर 188 कल्पना निरर्शक है।

### कारवां बदला गया



मैंने भी नीम नदी के उद्गम पर जाकर नवी को पुनर्गीवन देने के लिए श्रमदान किया घा । आज जब

प्रधानमंत्री ने नीम नदी को लेकर वर्वा की तो बहुत अच्छा लगा। दैनिक जागरण और नीर फाउं हेशन का मैं शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने मुझे मौका दिया । -प्रकाशी तोमर, गृहर वांगे

लोगों ने दैनिक जागरण के साथ साझा की खशी जारां, हापुड: प्रधानमंत्री ने रविवार को मन की वात के 102वें एपिसोंड

में नीम नदी के पुनर्जीवित होने पर इसकी घर्चा की। नदी को पनर्जीवन

जिसके फलरवरूप ही आज नीम

नदी पनर्जीवित हो पाइं है। दैनिक

जागरण ने इस मौके पर उन सभी

लोगों से वात कर उनकी खुशी को

पुनर्जीवन को मन की

बात में शामिल किया यह हमारे लिए गर्व

की बात है। प्रधानमंत्री की बात हम सभी

के लिए प्रेरणा है।हम लोग और अधिक

जिस भी रूप में इस प्रनीत कार्य में अपने

योगदान दिया वह सभी साध्वाद के पात्र

नीर काउंडेशन ने मिलकर काम किया है

इसे समाज सदा याद रखेगा । - स्वतंत्र

देव, जलशावित मंत्री उत्तर प्रदेश सरवहर

है। जिस तरह से दैनिक जागरण और

ऊर्जा से काम करेंगे ।जिन लोगों ने

प्रधानमंत्री ने जिस तरह से

हापुर जिले की नीम

नदी के उद्याम के

में कई लोगों ने कार्य किया.

साझा किया...



राभी के सहयोग से उस समय नीम नदी को पुनर्जीवित करने का बीख उदाया या। मैने भी समयन

किया था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सबसे तेजी से भजल स्तर नीचे जा रहा है। यह चिता का विषय है।

सरेंद्र सिंह, तत्कालीन क्रमीपनर



माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात कार्यक्रम में नीम नदी उदगम पुनर्जीवन के प्रयास का निक

करन हमारा उत्सह बढाने वाला है। अब हमारी जिम्मेदारी और भी अधिक हो गई है। -रमन कांत त्यामी, रिवरमैन आफ इंडिया



नीम नदी के किनारे मस्ती करते देवनदनी अस्वताल के चिकित्सक खक्टर श्याम कमारा दाए से पहले टी- शर्ट व काले चश्मे में ). अक्टर विमलेश । वाए से तीसरे नंबर पर ), सबसे बार् अक्टर गोविद सबसे बीधे रिवर मैन रमनकात ल्यागी ● जाग्रहण

था जब मैंने अपन परिचय दिया तो - संस्थापक रमन कांत त्यांगी और जीत हास्मिन कर ली हो। संधी एक



नीम नदी को एक अलगही पहचान

🔌 की बात में नीम

दिखांस त्यांगी, ग्रामीण, गांव विद्याला.

हमारे क्षेत्र से होकर गुजर रही नीम नदी कभी लुप्त हो गर्व वी (उसको नीवित थी। उसको जीवित



से लेकर जिला प्रशासन ने भी नदी की पुनर्जीवित करने में काळी सहयोग किया है। दैनिक जागरण को तो इसका पूरा



आज राभी लोग गदगद हैं।धधानमंत्री ने जिस तरह से मन की बात कार्यक्रम में नीम नवीं की बात की है इससे ओटी - ओटी नदियों को पनर्जीवन देने का काम अमे बढ़ेगा। प्रदेश सरकार श्रेय जाता है। राजीव त्यामी, वर्रियाना



अब नीम नदी छोट नही रह गई है। देश का शीर्ष नेतृत्व का यदि मन की बात में इसका जिक्र करता है तो यह बढ़ी बात है। दैनिक जागरण के समर्थन से नीम नवी को लेकर जो यात्रा शुरू हुई थी आज उसने व्यापक रूप ले लिया है। अब कोई सदेह नहीं रह गया है कि पूरी नीम नदी ही पुनर्जीवत हो

यहां का जिक्र किया है।

- अजय त्यापी, ग्रामीण दविद्याना नीम नदी के नवजागरण पर प्रधानमंत्री ने नीम नदी का उदाहरण विया है। जो दूसरे नदी सेवक है उनमें उत्साह का संचार होगा और प्रकृति के प्रति नवजागरूकता आएगी। ऐसी नदियां और प्राकृतिक धरोहरों को बचाने के लिए आगे बढ़कर कार्य करेंगे। देनिक जागरण की इस मुहिम के बिना यह कार्य संभव नहीं था। -मदन सेनी, खंल प्रविधक

# नीम नदी की बात अब तो प्रधानमंत्री ने भी कर दी

जागरण सेवाददाता, हापुट: सुबह का पौने स्थारत बज रहे हैं...। हापट जिले के गाँव दसियाना में कहा लींग टैक्टर तो कछ बग्गों से खेत से चारा काटकर अपने-अपने धर की और बद रहे हैं...। कहा लीग वहीं एक दकान पर बैठकर चर्चा कर रहे हैं...। आज प्रधानमंत्री मन की बात में हमारे गांव की नीम नवे की बात करेंगे...। वहां बैंडे गांव के ही रामपाल कहते हैं कि यह बड़ी बात होगों कि हमारे गाँव की नवें की प्रधानमंत्री चर्चा करेंगे...। पास में बैठे सुबीच कहते हैं कि चान्त्र नीम नदी में हमारे गांव की पहचान परे देश विनया में करा वे है...। अभी तक तो नीमनदी के किनारे मस्ती करते वेदनवनी अन्यताल के विकित्सक खबटर श्वाम क्रमान वार्र हमारा गांव भर्ती वाले मंदिर के नम से पहले टी-इर्ट व काले वरमे में ), अक्टर विभनेश । वार्ष से तीसरे नंबर पर , सबसे बार से जान जाती था। अभी कछ दिन खक्टर गोविद, सबसे बीछे रिवर मेन रमनकात ल्यागी 🗢 जाएए।।। पहले ही मैंने किसी की फीन किया था जब मैंने अपन परिचय दिया तो संस्थापक रमन कोत त्यांगी और जीत हासिल कर ली हो। सभी एक जागरण को जानकारी मिली की गांव उधर से पड़ा कि क्या कही नीम नर्ज - राजीव त्यागी के साथ एक कमरे की - दूसरे की अधाई देने लगे। वैनिक - चलियाना में नीम नर्जा है उस पर खाम वाले गांव से बील रहे हैं...। तब और बढ़ जाते हैं। यह मकान गांव जीगरण की भरि-भरि प्रशंस करने किया जाना चाहिए। इसको लेकर नीर मुझे लगा कि नीम नदी की चर्चा के प्रधान रजनीश त्यारी का है। कहा लगे। यदि दैनिक जागरण और नीर | फाउंडेशन के संस्थापक रिवर मैन वर-वर तक ही की है । वहां से में प्रधानमंत्री की मन की बात फाउंदेशन इस मामले की लेकर आफ इंडिया रमन कांत त्यागी से गुजर रही पिंकी ने कहा जल्दी टीवें कार्यक्रम शुरू हो जाता है। खोल लो प्रधानमंत्री के मन की बात प्रधानमंत्री की बात के साथ ही पनजीवन संभव नहीं था। वहाँ से दोनों मिलकर गांव दलियाना पहुंचे

जाते हैं। हम भी नेर फाउंडेशन के लग रहा था कि उन्होंने कोई बड़ी निहारते रहे।

नदी का जिक्र किया। इससे बड़े गौरव

की बात गांव के लिए नहीं हो सकती।

दिखास लागी. वामीण गांव पविद्याल

नीम नदी के क्रिय से जीवित होने से जल

नीम नदी को एक

अलगही पहचान

थी। और आज

प्रधानमंत्री ने मन

की बात में नीम

एक छोटी सी चिगारी



धीरें धीरे आज वह ज्वाला हम गई है। वयोकि, प्रधानमंत्री ने भी इसका जिक्र कर नदी का जीवित करने के लिए प्रेरित किया है।- मनवीर जिंह, पूर्व सेनिक



जागरण की महिम रंग लाई। आज इसका श्रेय दैनिक जागरण परिवार को जाता है !- सभाग, शवान हिस्तापर

को वैभिक चलाकर किर से जीवित करने का काम किया है।

मझे अच्छा लगा कि मेरी ग्राम प्रचायत का नाम प्रधानमंत्री ने लिया है। - पुनम त्यागी, याग प्रधान प्रतियाना



है कि नीम नदी का उदराम स्थल हमारे गाव में है। इसी 🕨 कारण आश देश के

मदन खेनी, खेल प्रतिसक

प्रधानमंत्री ने भी अपनी मन की बात में यहां का मिक्र किया है।

अजग त्यापी, ग्रामीण वर्तिवाना

नीम नदी के नवजागरण घर प्रधानमंत्री ने नीम नदी का उदाहरण विथा है। जो दूसरे नदी सेवक है उनमें उत्साह का संघार होगा और प्रकृति के प्रति नवजागरूकता आएगी। ऐसी नदियां और प्राकृतिक धरोहरों को बचाने के लिए आगे बद्धकर कार्य करेंगे। देनिक जागरण की इस मुहिम के बिना यह कार्य संभव नहीं था।



आज रहेंभी लोग गढ़गढ़ हैं।प्रधानमंत्री ने जिस तरह से मन की कात कार्यक्रम में नीम नवीं की बात की है इससे ओटी-ओटी नदियों को पुनर्जीवन देने का काम आगे बढ़ेगा । प्रदेश सरकार से लेकर जिला प्रशासन ने भी नदी को पुनर्जीवित करने में काकी सहयोग किया है। दैनिक जागरण को तो इसका प्रा बेय जाता है। राजीव त्यामी, व्हियाना

# मन की बात में नीम नदी का किया जिक्र, ग्रामीणों में उत्साह | निरंतर बहे नदी ...अभी करने होंगे और प्रयास

न जोग त्यामी = स्पाउ

दैनिक जागरण और नीर पनवंडेशन पिछले करीब दाई वर्ष से नीम नदी के उद्यक्त स्थल को पनर्जीवित करने के लिए काम कर रहे हैं। दाई वर्ष पहले की स्थिति पर गीर करें तो नदी का बलाव क्षेत्र देखने के लिए टैक्टर टाली में बैठकर पहली यात्र करनी पड़ी थी। कुछ लोगों ने नदी के उदगम रूपल पर अतिक्रमण करके उसका गला ही घोंट दिया था। धीरे-चीरे नदी का नामोनिशान मिट गया था। करा जाता है कि ईस्वर उसी के साथ होता है जो प्रवास करता है। दसका फलाफल है कि आज नीम नदी के उदयभ को एनजीवन मिल सका है।

वर्ष ३०२१ जनवरी में दैनिक नहीं चलते तो आज नीम नहीं का बात की तो उन्होंने भी हामी भर ही। राह्न होन जा रही है...। यह सनकर वहाँ बैठे सभी लोगों के चेहरे पर कुछ लोग नीम नदी के किनारे पहुँचे | और सरकरी दस्तावेज के अनुसार संभी अपने-अपने घर को और बढ़ राजब को खुशी थे। जैसे उन्हें और उसको देखकर काफो टेर तक नहीं के उद्गय स्थल को तलाशा। भोटरसाइकिल से जाना संभव करों किमी लेबा है। उसकी चौडाई को व्हां का नजारा देखकर लगा कि वहां था। इसलिए टैक्टर का सहारा लिया लेकर भी संशय है। इस मुद्दे को नये जैसी कोई चीज है ही नहीं है। और उसमें ब्रैंडकर नये के किनारे नेम नये उद्याग पनर्जीवन उत्सव दोनों ने तब किया कि इस नदी को हर अमण किया। देखा और जाना कि के दैशन रिवरमैन आफ इंडिया हाल में प्रतानीवित किया जाएगा। बस नहीं को प्रतानीवित करने के लिए रमनकांत त्यागी ने जल शक्ति वहीं से नदी को पनव्यीवित करने की क्या-क्या प्रवास करने होंगे। हापए मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के समञ्जू भी

शरुआत कर दी। जोही: गांव के लोगों को इकटवा नदी के महत्व के बारे में जानकार्य चाहिए, ताकि नीम नदी की पटरी पर करके टैक्टर- टार्का में बैठाकर नदी हो। धोरे-धोरे लोग इस अभिवान से पीधारोपण किया जा सके और नही के उद्देशम रूपल पर पहुँचे। सभी को जाउने लगे। दैनिक जागरण ने स्कूल, को उसको खुराक मिल सके। नीम नदी के महराव की जानकारी रमन करलेज, बुद्धिजीवी, चिकित्सक, नदी हापुड से बहकर बुलंदराहर, कांत ने दी और बताया कि एक सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारियों के अलीगढ़ और फिर कासगेज जिले नदी के जीवत होने से कितना लाभ और जागरुकता अधियान चलाया। में जाकर काली नदी में मिलती है। भिनेगा। वहां भीजद अधिकांश नोगाँ इसमें रमन कांत त्यागी के साथ क्षेत्र - बलंदराहर, अलीगढ़ और कासगंज को वह सब मजाक सा लग रहा प्रशिक्षक घटन सैनी ने लोगों को नदी के लोगों ने भी नदी के बहाब क्षेत्र था। पर हमारे दृढ संकल्प के आगे के टपयोग के बारे में बताया। वह कार कहने की विधति में नहीं थे। हालात बह थे कि नदी का बहाव उदराम तो पन्तनीवित हो गया है. हैं। इसके कारण धजल रेपार्ज की

जिले में नदी के किनारे आठ गांव उठाया था। कहा था कि नदी की सबसे पहले गाँव के लोगों की पहले हैं। इन सभी में जाकर लोगों को जमीन का चित्रांकन किया जाना करें साफ सकाई कई बार की है। नहीं

यात्रा अभी लंबी हैं: नीम नदी का के किनारे पर कहीं भी पेट पीचे नहीं क्षेत्र देखने के लिए किसी गाड़ी या. लेकिन अभी नदी का समूर 188 कल्पना निर्धिक है।

### कारवी बदता गया

e 28 मार्च 2021 की प्रदेश के राजस्य व बाद नियंत्रण राज्य मंत्री विजय कष्टवप ने जायजा लिया ।

- सात जुन को नदी के उद्धाम स्थल
  30 जुलाई को प्रदेश के जल पर श्रमदान किया । जेसीवी मधीन लगवाकर नदी की खोदाई का काम शुल कराया ।
- 14 जुन को शहर बाबी प्रकाशों भी नमवान करने नवी के उद्दर्शन स्थल
- जिला प्रशासन ने श्रपुत्र जिले की 14 किमी के बहुव क्षेत्र को मशीन से साफ करावा ।

 ब्लंबणहर के जिलाधिकारी रवींद्र कमार ने भी अपनी सीमा में सावार्त कराई।

- शवित मंत्री स्वतंत्र देव में गांव सिर्डेड के वास नदी के बहाव क्षेत्र को देखा और कहा कि नीम नदी हर हाल में पनर्जीवित होगी ।
- लच्च सिवार्ड विभाग ने एक प्रस्ताव बनावार शासन को भेजा और वहां से करीब 48 लाख रूपये नदी को पुनर्जीवित करने के लिए दिया गया। पुनर्जीवन की रह आगे बढी।

### वनेगी नीम परिषद

अब नीम नदी के संपूर्ण पुनर्जीवन के लिए प्रयास आगे बद्धाए जाएंगे । इसके लिए शीध नीम परिषद का गठन किया जाएगा । इस परिषद में नीम नदी किनारे के गांवों के प्रधानों की महत्वपूर्ण भूमिका तथ की जाएगी। इसके लिए उनके नेतृत्व में नदी पुनर्जीवन समितियों का गटन किया लाएगा। नीम नदी उद्गाम व उससे आगे की नदी की दूरी को लेकर दो अलग-अलग योजनाएं तय की जा रही है। जहां उदमम को हरा भरा बनाने के प्रयास किए जाएंगे 1 वहीं नदी के आगे की लंबार्ड के संधार होत पदयात्रा करके समाज को जागरूक किया लाएगा।

चिता का विश्वय है।





राजा किया...

में कड़ लोगों ने काव किया.

6 क्षानमंत्री ने जिस तरह से हापत जिले की नीम नदी के उद्याम के

बात में शामिल किया यह हमारे लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री की बात हम सभी के लिए प्रेरणा है। हम लोग और अधिक ऊर्जा से काम करेंगे ।जिन लोगी ने जिस भी रूप में इस प्रनीत कार्य में अपने योगवान दिया वह सभी साध्वाद के पात्र है। जिस तरह से पैनिक जागरण और मीर काउ देशन में मिलकर काम किया है. छरो समाज सद्य याद रखेगा । - स्वतंत्र देत. जानपारित संबी जवन प्रदेश सरकार



उद्गम पर जाकर नवी को पुनर्जीवन वेने के लिए समदान किया च । आज जब

प्रधानमंत्री ने निम नदी को लेकर वर्षा की तो बद्धत अच्छा लगा । दैनिक जागरण और नीर काउंदेशन का मैं शक्तिया अदा करते ह कि उन्होंने मधे मौका दिया । -प्रकारी संमर, चटर करो



राभी के सहयोग से उस समय नीम नवी को पुनर्जीवित करने का बाह्य उदाया धा। मैने भी समयन

किया था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सबसे ठेजी से भजल स्तर नीचे जा रहा है। यह

सर्देव सिंह, प्रत्यातीन क्रमीयनर

माननीय प्रधानमंत्री प्रमा मन की वाल कार्यक्रम में नीम नवी उदगम पुनर्जीवन के प्रयास का जिल्ल

करन हमारा उत्साह राक्षने कला है। अब हमारी जिम्मेदारी और भी अधिक हो गई है। -रमन कांत त्यामी, रिवरमेन आक इंडिका





अब नीम नदी छोट नहीं रह गई है। देश का शीर्व नेतृत्व का यदि मन की बात में इसका लिक करता है तो यह बच्चे बात है। दैनिक जागरण के समर्थन से नीम नवी वो लेकर ली यात्रा शुरू हुई थी आज उसने व्यापक रूप ले लिया है। अब कोई सदेह नहीं रह गया है कि पूरी नीम नदी ही पुनर्जीवत हो जापमी । - एवं, अस्रोक मेनेच, साहित्यात्तर

